चीनी उत्पादन 14% घटकर 2.82 करोड़ टन रहेगा!

[एजेंसी | नई दिल्ली]

देश का चीनी उत्पादन अक्टूबर से शुरू अगले मार्केटिंग ईयर में 14 पर्सेंट घटकर 2.82 करोड़ टन रहने का अनुमान है। चीनी उत्पादन में कमी का कारण महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में कम बारिश के कारण गन्ने के रकबे में आई कमी है। उद्योग संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने यह अनुमान जताया है। इस्मा ने एक बयान में कहा कि मौजूदा मार्केटिंग ईयर 2018-19 में चीनी उत्पादन 3.295 करोड़ टन रह सकता है। मिलों ने जून तक 3.28 करोड़ टन चीनी का उत्पादन किया था और अगले तीन महीनों में 1.0 से 1.5 लाख टन उत्पादन का अनुमान है। इससे कुल उत्पादन 3.290 से 3.296 करोड़ टन रहने का अनुमान है। सालाना घरेलू मांग करीब 2.65 करोड़ टन होने का अनुमान है। एसोसिएशन ने एक बयान में कहा कि मार्केटिंग ईयर 2019-20 में उत्पादन करीब 2.82 करोड़ टन रहने का अनुमान है जो मौजूदा मार्केटिंग ईयर 2018-19 के मुकाबले 14 पर्सेंट कम है। संगठन के अनुसार, उत्पादन का अनुमान सामान्य बारिश और अन्य अनुकूलतम शर्तों पर आधारित है। इस्मा ने कहा, 'उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों के आधार पर किए गए आकलनों के अनुसार 2019-20 में गन्ने का रकबा 49.31 लाख हेक्टेयर रह सकता है जो 2018-19 के गन्ना सीजन के 55.02 लाख हेक्टेयर से कम है।' संगठन के अनुमान के अनुसार, उत्तर प्रदेश में चीनी उत्पादन करीब 1.2 करोड़ टन रहने का अनुमान है जो मौजूदा वर्ष में 1.18 करोड़ टन के अनुमान के लगभग बराबर है। अन्य प्रमुख उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में गन्ना क्षेत्र 2019-20 के लिए करीब 30 पर्सेंट घटा है। इसका कारण सितंबर 2018 के बाद बारिश कम होना है। इससे गन्ने की खेती पर असर पड़ा। इसके कारण चीनी का उत्पादन 2018-19 में घटकर करीब 70 लाख टन रहने का अनुमान है जो इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 में 1.07 करोड़ टन रहने की संभावना है। इस्मा ने कहा कि 2019-20 के लिए गन्ना और चीनी उत्पादन का यह प्रारंभिक अनुमान है।

मौजूदा मार्केटिंग ईयर 2018-19 में चीनी उत्पादन 3.295 करोड़ टन रह सकता है

Economic Times

2/7/2019